खंड १७ नंबर ४ अक्टूबर २०२१

आरआईएस डायरी

–अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए नीतिगत अनुसंधान

ब्रिक्स अकादमिक फोरम 2021

भारत वर्ष 2021 के ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता के नाते, आरआईएस और ओआरएफ ने संयुक्त रूप से 3 से 6 अगस्त 2021 को ब्रिक्स अकादमिक फोरम का आयोजन किया। ब्रिक्स अकादमिक फोरम में शिक्षाविद विशेषज्ञ एवं शोधकर्ताओं और विश्लेषकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावित करने वाल नीतिगत मुद्दों पर चर्चा की और दुनिया में ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लिया ।

फोरम का आरंभ डॉक्टर समीर शरण, अबसरवर अनुसंधान संस्थान के शुरुवाती वक्तव्य से हुआ। डॉ एस जयशंकर, माननीय केंद्रीय विदेश मंत्री, ने उदघाटन भाषण दिया। प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, महा निदेशक आरआईएस ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया और अंत में धन्यवाद प्रस्ताव व्यक्त किया।

दूसरे दिन का कार्यक्रम कॉप26 के लिए मार्ग प्रशस्त रूपरेखा पर विचार से शुरु हुआ। सुनियोजित योजना के तहत ब्रिक्स के जलवायु एजेंडा पेरिस समझौता पर हुई प्रगति को केंद्रित रखते हुए इसका जायजा लिया कि कैसे विकसित और विकासशील राष्ट्र अपने वादों में

आगे बढ़ सकते हैं। सत्र में इस पर भी चर्चा हुई कि कैसे जलवायु वार्ता पर प्रस्तावित लक्ष्य भागीदारी प्राप्ति के लिए सुनिश्चित करें कि कैसे इसे विकासात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ा जा सकता है।

तीसरे दिन चर्चा का विषय था कि कैसे व्यापार और आपूर्ति के लिए कार्य सूची का प्रतिपादित करना एवं कैसे ब्रिक्स समूह इस क्षेत्र में कार्य कर सकता है। तीसरे दिन का कार्यक्रम ब्रिक्स के व्यापार के एजेंडे और लोचदार पूर्ति श्रंखला पर चर्चा से शुरु हुआ। इक्कीसवीं सदी में ब्रिक्स अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार का ढांचा तैयार करे जो विकासशील देशों की अवश्यकताओं पर ध्यान दे सके और अवरोधों को घटा कर, नियमों को सुप्रवाही बनाकर सेवाओं और वस्तुओं में अधिक प्रवाह को बढ़ाया।

श्रम बल को खड़ा करना तथा नौकरी के लिए शिक्षा कार्य सूची के नए प्रतिरूप और कौशल से सुसज्जित करने पर भी चर्चा हुई। वर्तमान और भविष्य के कार्य बल को नई ढंग से शिक्षित और कुशल बनाना ताकि विकास राष्ट्रों में उत्तम पद्धतियां अपनाई जा सकें। तथा बीसवीं सदी की असमानताओं को 21वीं सदी में दोहराया ना जा सके।

इंडो–पेसिफिक में समुद्री अर्थव्यवस्था

आधुनिक समुद्री प्रौद्योगिकियों की उन्नति एवं महासागर संस्थानों का कुशल दोहन, उच्च सामाजिक आर्थिक विकास और सतत विकास में सहयोग कर रहा है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अपार संभावनाओं पर विचार करते हुए भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका ने तटीय अर्थव्यवस्था और श्रीलंका में नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय स्तर पर बिम्सटेक तथा हिंद महासागरीय संघ में कई पहल की हैं।

आर आई एस ने 23 सितम्बर 2021 को हिंद महासागर तथा प्रशान्त महासागर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर वेबिनार

...शेष पृष्ठ 6 पर

ब्रिक्स सिविल संगोष्ठी 2021

आर आई एस ने 28–29 जुलाई 2021 को ब्रिक्स सिविल फोरम का आयोजन किया। उदघाटन कार्यक्रम में माननीय विदेश राज्यमंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स नागरिक संगोष्ठी मंच गहरी साझेदारी स्थापित करने मे सहायक है, उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि ब्रिक्स देशों के बीच लोगों से लोगों के आदान प्रदान में नागरिक समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और लोगों की सामूहिक आवाज का प्रतिनिधित्व किया है और स्थानीय जरूरतों पर भी आवश्यक कार्यवाही की है।

ब्रिक्स देशों से गणमान्य प्रतिभागी डॉक्टर पावलो, पूर्व निर्देशक ब्रिक्स नीति केंद्र, सुश्री झू जिगफैग, अनुसंधान सहचर चीन गैर सरकारी संगठन अंतरराष्ट्रीय प्रसार विनिमय केंद्र चीन, महोदय रेआन वैन डेर मेरवे, उप निर्देशक अंतरराष्ट्रीय संबंध, धारक संबंध, एवं दक्षिण अफ्रीकी ब्रिक्स युवा संघ, और सुश्री वैलेरिया गोरबाचेवा, जी आर निदेशक, राष्ट्रीय ब्रिक्स अनुसंधान समिति, रूस ने संगोष्ठी में भाग लिया। पूर्व पूर्ण सत्र और एक गोलमेज बैठक चर्चा में भाग लिया गया। जिसमें विषय शामिल थेः ब्रिक्स में समावेशी विकास और उधामिता

माननीय विदेश राज्यमंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह

को बढ़ावा देना, प्रौदयोगिकी की भूमिका; लोगों की संधारणींयता में भागीदारी; ब्रिक्स अनुभव; तथा ब्रिक्स नागरिक प्रक्रिया को मजबूत करना। समावेशी विकास मार्ग को बढ़ावा देने में एवं ब्रिक्स में उधामिता प्रौद्योगिकी की भूमिका सत्र की अध्यक्षता डॉक्टर भास्कर बालकृष्णन, कूटनीतिज्ञ अनुसंधान सहचर, आर आई एस ने की जिसमें मूल सिद्धांत संबोधन डॉ एस के वारशने, सलाहकार और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रभात मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने किया। अन्य प्रतिभागी जो सत्र में शामिल थेः डॉक्टर मोरो ऑडि नागोरिया, ब्राजील; महोदय इगोर लावरोवसकी, डॉक्टर सव्यसाची साहा सह–आचार्य, आर आई एस; और महोदय एलेक्सी वाग, चीन।

दूसरे पूर्ण सत्र, लोगों की भागीदारी ब्रिक्स दीर्घकालिक अनुभव, की अध्यक्षता श्री श्यामा परांडे सचिव सेवा अंतरराष्ट्रीय और महासचिव अंतर राष्ट्रीय सहयोग परिषद भारत ने की। मुख्य संबोधन श्री आर. एस. रशिम विशिष्ट सहचर और कार्यक्रम निर्देशक पृथ्वी विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और संसाधन संस्थान भारत, अन्य प्रतिष्ठित प्रतिभागी थेः डॉक्टर एना टोनी, ब्राजील; श्री व्लादीमीर चुपरो, रूस; आचार्य पाम राजपूत, भारत; श्री दकियान झांग, चीन; और श्री यारेड तसगे, दक्षिण अफ्रीका।

प्रक्रिया को मजबूत करने के विषय पर आयोजित गोलमेज चर्चा की आचार्य सचिन चतुर्वेदी, महा निदेशक, आर आई एस ने अध्यक्षता की। राजदूत पी. हरीश ,भारत के शेरपा, ब्रिक्स और अतिरिक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने विशेष टिप्पणी की। सत्र में शामिल ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि थेः डॉक्टर आंद्रे डी मेलो डिसूजा, ब्राजील; आचार्य व्लादीमीर डेविडोव, रूस; डॉ राजेश टंडन, अध्यक्ष, एशिया सहभागी अनुसंधान और अध्यक्ष, भारतीय विकास सहयोग मंच, भारत; सुश्री जहूँ जिगफैग, चीन; महोदय रेऑन वैन डेर मेरवे, दक्षिण अफ्रीका; और डॉक्टर विक्टोरिया पनोवा, रूस।

सातवां इब्सा अकादमिक मंच

आर आई एस ने दो दिवसीय कार्यक्रम सातवें आईबीएसए अकादमिक मंच 2021 का आयोजन 11 व 12 अगस्त को किया। जिसमें कई मुद्दों और महत्वपूर्ण सहयोग के क्षेत्र पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में दो बैठकों और तीन पूर्ण सत्र का आयोजन किया गया। इस मंच का भारत के माननीय विदेश राज्य मंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह द्वारा उद्घाटन किया गया। उन्होंने याद दिलाया कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका एक ऐसा समूह है, जो प्रतिनिधित्व करता है समान विचारधारा वाले देश का जो प्रतिबंध है समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए। अपने नागरिकों की और सम्पूर्ण विकासशील दुनिया की भलाई के लिए प्रतिबंध है। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधियों के साथ बातचीत आर्थिक साझेदारी का भविष्य, आंतरिक लचीली मूलयक आपूर्ती चैन को मजबूत करने की आवश्यकता, कुंजीपटल संक्रमण को तेज करना है।

समावेशी सामाजिक के लिए प्रक्रिया विकास करना तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर मंच में चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त महामारी से निपटने की तैयारी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जुड़े सुधार, टीका राष्ट्रवाद का उदय और इसकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करना है। नैदानिक उपकरण निर्माण पर ध्यान देने पर विचार किया गया। प्रथम दिवस का कार्यक्रम आचार्य सचिन चतुर्वेदी, महा निदेशक, आर आई एस के स्वागत भाषण से हुआ। जैसे की पहले बताया गया, डॉ राजकुमार रंजन सिंह, भारत के माननीय विदेश राज्यमंत्री, भारत सरकार, ने उद्घाटन भाषण दिया। प्रारंभिक सत्र की अध्यक्षता राजदूत अमर सिन्हा, अध्यक्ष, सलाहकार समिति, वैश्विक विकास केंद्र भारत ने की। प्रमुख वक्ता थेः श्री दमु रवि, भारत; राजदूत आनडरे सामास मगलहीआस, ब्राजील; व डॉक्टर अनिल सूकलाल आईबीएसए, साउथ अफ्रीका। आईबीएसए सहयोग को मजबूत करने के सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य अनुराधा चिन्नाई पूर्व प्राचार्य, अंतरराष्ट्रीय स्कूल अध्ययन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारत ने की। इसमें शामिल वक्ता थेः आचार्य श्रीराम एस. चौलिया, संकाय अध्यक्ष, जिंदल अंतरराष्ट्रीय मामलों के स्कूल, ओ पी जिंदल विश्वव्यापी विश्वविद्यालय, भारत; डॉक्टर इवान ओलिवेरा, ब्राजील; और आचार्य अहमद बावा, दक्षिण अफ्रीका। अगला सत्र जो कि संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षता का भविष्य के अध्यक्ष थे राजदूत मजीव सिंह पुरी, विशिष्ट सहचर, टेरी, भारत और वक्ताओं में शामिल थे, भारत के सहायक स्थाई प्रतिनिधि, संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क; राजदूत रोनाल्डो कोस्टा फिलहो, ब्राजील के स्थाई प्रतिनिधि नियुक्त संयुक्त राष्ट्र संघ तथा राजदूत मथू जोयिनी दक्षिण अफ्रीका के स्थाई प्रतिनिधि, संयुक्त राष्ट्र संघ, न्यूयॉर्क शामिल थे।

दूसरे दिन की शुरुआत सत्र, 'महामारी के बाद वित्त और आर्थिक पुर्नलाभ की अनिवार्यता' से हुई। श्री डेविड रसकिनहा, पूर्व प्रबंध निदेशक एकिजीम बैंक ऑफ इंडिया, ने अध्यक्षता की। संगोष्ठी में शामिल थेः डॉक्टर रेनाटो कोएलहो बौमन दस नेवस, ब्राजील; डॉक्टर एसतेर मखेथा, दक्षिण अफ्रीका तथा डॉ प्रियदर्शी दाश सहयोगी आचार्य, आर आई एस, भारत।

दूसरे सत्र व्यापार पर आईबीएसए सहयोग और लचीली मूल्य श्रृंखला की अध्यक्षता डॉक्टर शेषाद्री चारी, अध्यक्ष, चीन अध्ययन केंद्र, माहे, कर्नाटका ने

...शेष पृष्ठ 5 पर

एशिया की महामारी के बाद की व्यवस्था और एकीकरण: आसियान का दृष्टिकोण पर इंडो–पेसिफिक

आसियान अध्ययन केंद्र, चुलालगकोन विश्वविद्यालय, बैंकॉक; समकालीन साउथ ईष्ट एशिया अनुसंधान संस्थान, बैंकॉक; और आसियान–भारत केंद्र, आर आई एस द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जिसमें महामारी के बाद की व्यवस्था का एकीकरण और आसियान का इंडो पेसिफिक पर दृष्टिकोण दिनांक 8 और 9 जुलाई 2021 को किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन में छः तकनीकी सत्र शामिल थेः दक्षिण पूर्व एशिया और भारत और चीन द्वारा एशिया की परिकल्पना और क्षेत्रीय इंडो–पेसिफिक व्यवस्था; इंडो–पेसिफिक दक्षिण पूर्व एशिया के परिपेक्ष्य में; केन्द्रीयता और बहुपक्षता डांवाडोल परिस्थिति में; भू–राजनीति इंडो–पेसिफिक में; महामारी के बाद के एशिया में एकीकरण; आसियान में एकिकरण और सम्पर्क सम्बन्ध की चुनौतियाँ; इंडो–पेसिफिक का क्या अर्थ है; इंडो–पेसिफिक में सुरक्षा व सामरिक चुनौतियाँ। भारत प्रशांत क्या है, इस विषय पर आसियान में प्रतिस्पर्धी संयोजक रणनीतिक और एकीकरण चुनौतियां पर विचार विमर्श किया गया, साथ ही साथ एशिया मे महामारी के पश्चात एकीकरण पर भी वार्ता हुई।

36वाँ विज्ञान तकनीकी नवरचना नीति व्याख्यान

36 वां विज्ञान तकनीकी नवरचना नीति संगोष्ठी व्याख्यान डॉक्टर रेनू स्वरूप, सचिव, जैव प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने दिनांक 5 अगस्त 2021 को ऑन लाइन माध्यम से दिया। विषय थाः 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी और महामारी।' कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विभा घवन, महानिदेशक, टेरी ने की। डॉक्टर भास्कर बालाकृष्णन, विज्ञान कूटनीति सहचर, आर आई एस ने स्वागत अभ्युक्ति दी। श्री सुमित टंडन, निदेशक, इंडिया हैबिटेट सेंटर ने संक्षिप्त टिप्पणी की।

अपने बहुत ही व्यवहारिक संबोधन में डॉ स्वरूप ने प्रमुख पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। विज्ञान क्या कर रहा है और किस तरह महामारी के लिए प्रौद्योगिकी प्रतिक्रिया और विरोधी प्रतिक्रिया में सक्षम नीति वातावरण बनाया गया। परिचलित नीति ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन करने में सहायता की। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण द्वारा हमारी शैक्षणिक संस्थानों में उद्योगों को एक साथ लाना आवश्यक है तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग संबोधित करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुंजीपटल भुगतान तल में सहयोग और वित्तीय तकनीक समाधान

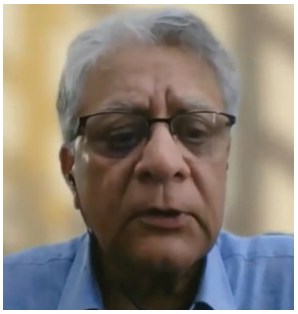
अमर सिन्हा

डी जानकीरमन

डॉ इमेन्युअल मुन्गो

प्रियदर्शी दाश

आर आई एस के वैश्विक केन्द्र ने 22 जुलाई 2021 को कुंजीपटल वित्तीय समावेश और विकासशील देशों में तेजी से उभरती भुगतान प्रोद्योगिकी पर वेबीनार का आयोजन किया। जिसमें प्रमुख वक्ता थेः आचार्य डी जानकीरमन, निदेशक, विकास और बैंकिंग प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, आर बी आई; राजदूत डॉ मोहन कुमार, अध्यक्ष, आर आई एस; श्री रितेश शुक्ला, सीईओ, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान प्राधिकरण; महोदय, गणेश अनंतानारायण, संचालन अधिकारी, एयरटेल पेमेंट बैंक; महोदय कैनडी किपकेमबोई, नियामक विशेषज्ञ, मोबाइल वित्त कार्यक्रम, कीनया; महोदय मैके आओमू, निदेशक,राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली, बैंक ऑफ युगांडा; और सुश्री ओलाडनिके कोलावोले, प्रमुख, एजेंसी बैंकिंग, नाइजीरिया।

राजदूत अमर सिन्हा, अध्यक्ष, सलाहकार समिति जीडीसी ने भी अपने अनुभव को साझा किया। भारत सहित विकासशील दुनिया और अफ्रीका को मुख्यध ारा में कुंजीपटल भुगतान करने के लिए बढ़ावा दे रहे हैं। डॉ प्रियदर्शी, सहभागी आचार्य, आर आई एस ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कोविड–19 के बाद एशिया एवं प्रशांत में आर्थिक लचीलापन

कोविड–19 के बाद एशिया एवं प्रशांत में आर्थिक लचीलेपन पर 29 जुलाई 2021 को परिचर्चा आयोजित की गई। आचार्य सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, आर आई एस के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। परिचर्चा में सम्मिलित थे, डॉक्टर श्वेता सक्सैना, चूएनएसोप, नई दिल्ली; आचार्य राम उपेंद्र दास, प्रमुख, क्षेत्रीय व्यापार केन्द्र, नई दिल्ली और श्री राजन सुदेश रत्न, आर्थिक मामले अधिकारी, एसकेप–एसएसडब्लूए। परिचर्चा का केन्द्र था कोविड–19 के बाद आर्थिक लचीलापन को बढ़ावा तथा सतत विकास लक्ष्य की प्राप्ति। अन्य संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई जिसमें आर्थिक लचीलापन तथा वित की चुनौतियाँ शामिल हैं। डॉ पंकज वशिष्ठ, सहयोगी आचार्य, आर आई एसए ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

...पृष्ठ 3 से आगे

की। प्रमुख वक्ता थेः आचार्य एस. के. मोहंती, आर आई एस, भारत; डॉक्टर मारसेलो नोनबरग, ब्राजील; और डॉक्टर सिफामंडला जोन्डी, दक्षिण अफ्रीका।

महामारी के बाद प्रौद्योगिकी और समावेशी के माध्यम से सामाजिक क्षेत्र विकास सत्र की अध्यक्षता अचार्य सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, आर आई एस ने की। डॉ शेखर मंडे, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार और महानिदेशक विज्ञानिक और अनुसंधान परिषद ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। इस सत्र में शामिल थे, प्रोफेसर के. जे. जोसेफ, भारत, डॉक्टर फैबियो वेरासू, ब्राजील; और आचार्य रसिगन महराज, दक्षिण अफ्रीका। समापन सत्र की अध्यक्षता राजदूत अमर सिन्हा ने की और श्री पी. हरीश आईबीएसए सोस शेरपा, भारत ने समापन भाषण दिया।

एमएसएमई को बढ़ावा देने पर भारत–नाइजीरिया वेबीनार

एम एस एम ई का औद्योगीकरण के लिए बढ़ावा देने पर 14 जुलाई 2021 को विशेष वैबिनार का आयोजन हुआ। आर आई एस,नाइजीरिया सेना संसाधन संस्थान तथा नाइजीरिया में भारत का दूतावास ने इसका संयुक्त आयोजन किया। आचार्य सचिन चतुर्वेदी ने स्वागत भाषण दिया। श्री अभय ठाकुर, भारत के नाइजीरिया उच्चायुक्त ने आरंभिक टिप्पणि की। मेजर जनरल (सेवानिर्वृत) श्री गरबा अयोदजी वहाब, महानिदेशक, नाइजीरिया सेना संसाधन संस्थान, नाइजीरिया ने विशेष टिप्पणी प्रस्तुत की। पहला सत्र भारत में एमएसएमई चुनौतियां और आगे का रास्ता एवं दूसरा सत्र नाइजीरिया में एमएसएमई क्षेत्र पर था। वक्ताओं में शामिल थे , प्रोफेसर एम. एच. बाला सुब्रमण्यम, प्रबंधन अध्ययन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर; आचार्य एस. के.मोहंती, आर आई एस; श्री जोसेफ ओलाटायो ओमिडीजी , डिप्टी महाप्रबंधक और प्रमुख सामरिक योजना विभाग नेक्सिम बैंक और श्री उद्येमी फोलोरुशो नाइजीरिया। डॉ पंकज वशिष्ठ आर आई एस, ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

व्यापार और निवेश को पुनर्जीवित करनाः लोच, समावेशन और सतव्ता

व्यापार और निवेश को पुनर्जीवित करनाः लोच, समावेशन और सतव्ता पर संवाद 20 जुलाई 2021 को हुआ। प्रोफेसर एस. के. मोहंती, आर आई एस ने स्वागत भाषण में टिप्पणी प्रस्तुत की। आचार्य मनोज पंत ,निदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। परिचर्चा में शामिल थेः डॉक्टर टरीडी ह्टजेनबगृ, दक्षिण अफ्रीका; सुश्री ओलगास पोनोमेरवा, रूस ने चर्चा में भाग लिया।

डॉक्टर निशा तनेजा, भारत; और डॉक्टर सुश्री झांग चुआनहोग, चीन, डॉ सब्यसाची साहा, सहभागी आचार्य, आर आई एस, भारत, ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

कोविड के बाद विकास सहयोग के लिए नई चुनौतियां

भारतीय विकास सहयोग मंच आर आई एस, ने कोविड–19 के बाद विकास के लिए नई चुनौतियां विषय पर चर्चा का 24 सितंबर 2021 को आयोजन किया। इसमें भाग लेने वाले वक्ता थेः महोदय टोनी पीपा, वरिष्ठ सहचर, वैश्विक अर्थव्यवस्था और विकास, बरुकिंगस, वाशिंगटन; डॉक्टर एधिया मूलकाला, वरिष्ठ निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग, एशिया फाउंडेशन, कुआलालंपुर; और आचार्य गुलशन सचदेवा, सेंटर फॉर यूरोपीय अध्ययन, स्कूल एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, चर्चा का संचालन प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी महानिदेशक अनुसंधान सूचना प्रणाली ने किया।

परिचर्चा में अभूतपूर्व विकास चुनौतियां और उभरते रुझान विकास सहयोग, विशेष रुप से उत्तर से और बहुपक्षीय संगठन सहायता में कमी पर ध्यान केंद्रित हुआ। कोविड–19 के मद्देनजर विकास सहयोग की आवश्यकता और विकासशील देश की समस्याओं के समाधान में भरोसे की कमी पर प्रकाश डाला। बदलते भू राजनीतिक वातावरण और वैश्वीकरण के संदर्भ में त्रिकोणीय सहयोग जैसे भारत का अमेरिका और यूरोपीय संघ से साथ मिलकर बुनियादी ढांचे के लिए वित्त की विकासशील देशों के लिए आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

चर्चा में इस बात पर भी बल दिया गया कि विकसित देश बदलते भू–राजनीतिक कारणों की वजह से अधिक अंतरमुखी हो सकती हैं। अफगानिस्तान के संदर्भ में भी विकास सहयोग पर विशेष चर्चा हुई। गैर सूरक्षा विषय पर ध्यान देने की अति आवश्यकता है। लेकिन यह आशंका है कि बदलती भू–राजनीतिक हित आने वाले समय में विकास सहयोग की कार्यावली निर्धारित करेंगे।

इंडो–पेसिफिक में समुद्री अर्थव्यवस्था

...पृष्ठ 1 से आगे

का आयोजन किया। आरआईएस के प्रोफेसर एस के मोहंती ने स्वागत टिप्पणी और डॉ मालिनी वी शंकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्रीलंका के उप आयुक्त माननीय श्री मान निलूका कादूरुगामुआ ने विशेष टिप्पणी दी। डॉक्टर गणेशन विगनराज, वरिष्ठ सहचर, आर आई एस, ने इंडो–पेसिफिक समुद्री व्यापार पर प्रस्तुति दी। डॉक्टर विश्वपति त्रिवेदी पूर्व सचिव, जहाजरानी मंत्रालय और खान, भारत सरकार ने भी चर्चा में भाग लिया ।

37वाँ एसटीआईपी संगोष्ठी व्याख्यान

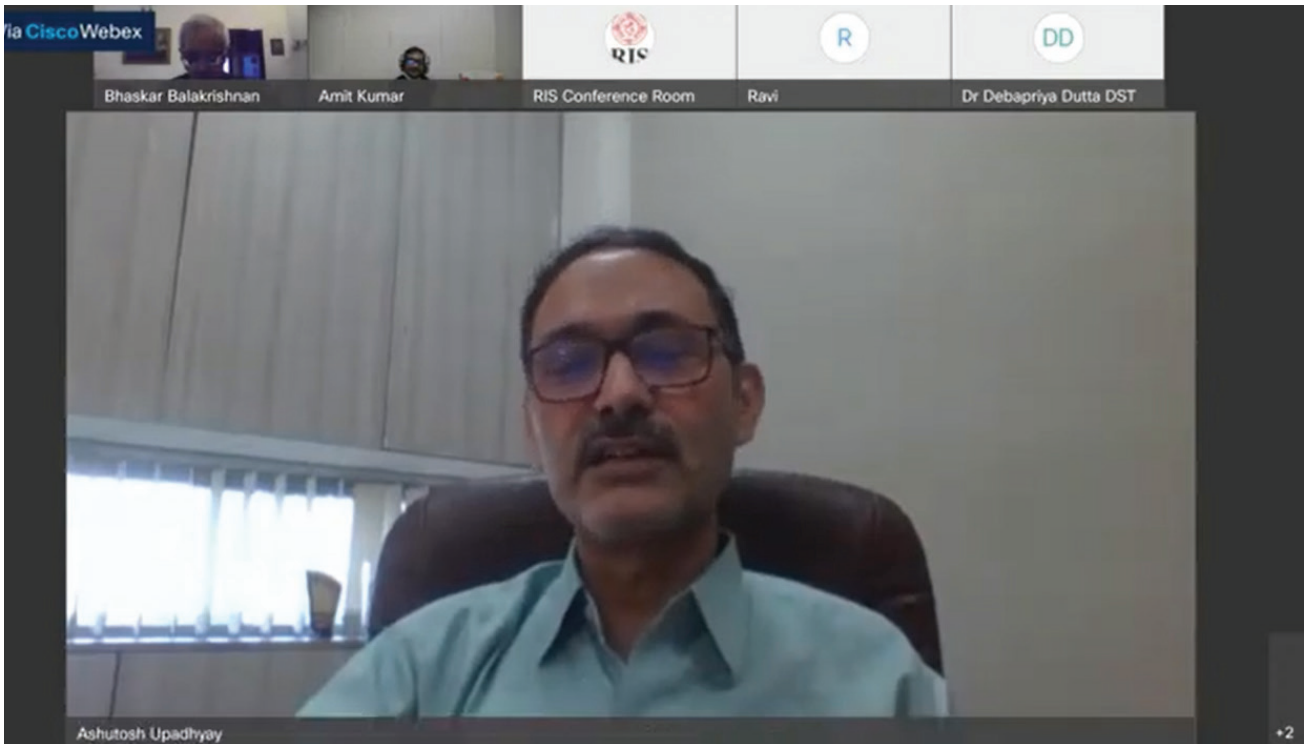

डॉ आशुतोष उपाध्याय

37वाँ एसटीआईपी फोरम व्याख्यान डॉ आशुतोष, आचार्य, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अध्यक्ष, अकादमिक, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान ने 29 सितंबर 2021 को ऑनलाइन माध्यम से दिया। व्याख्यान का विषय थाः "खादय प्रसंस्करण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था : किसानों तथा स्वयं सहायता समूह के लिए प्रौद्योगिक विकल्प।" कार्यक्रम की अध्यक्षता की डॉ देवप्रिया दत्ता, वैज्ञानिक–जी, प्रमुख, बीज प्रभाव और राष्ट्रीय भूस्थानिक कार्यक्रम विज्ञान विभाग और प्रौद्योगिकी ने। डॉक्टर भास्कर बालकृष्णन, विज्ञान राजनेय सहचर, आर आई एस ने स्वागत टिप्पणी दी। श्री सुमित टंडन ने भी टिप्पणी दी। अपने बहुत ही व्यवहारिक संबोधन में डॉ उपाध्याय ने विषय से संबंधित मुद्दों पर बात की जिनमें प्रमुख है भारत के लिए खाद्य प्रसंस्करण का महत्व, विशेषकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संदर्भ में। खादय प्रसंस्करण के कम शेयर को देखते हुए, भारत में खादय पदार्थ की बर्बादी की गंभीर समस्या है। विशेष रुप से फलों और सब्जियों के संदर्भ में। इसलिए खादय प्रसंस्करण क्षेत्र में एक विशाल गुंजाइश और अवसर है जिसका उपयोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए किया जा सकता है। किसान और स्वयं सहायता समूह मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। अगर उनके पास उपयुक्त तकनीकी और अन्य सुविधाएं उचित मूल्य पर उपलब्ध हो। डॉ उपाध्याय ने प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तार से बताया। किसानों द्वारा स्वयं सहायता समूह के लिये यह सार्वजनिक वित्त पोषित अनुसंधान केंद्रों द्वारा विकसित की गई है तथा सम्पूर्ण मूल्य इनके अन्तर्गत है। उन्होंने विस्तार से ऐसी तकनीकों का अवलोकन किया फलों, सब्जियों, अनाज, तिलहन, दाले, पेय पदार्थ ,मांस और कुक्कुट उत्पाद शहद, मसाले आदि क्षेत्र के संदर्भ मे किया।

डॉ उपाध्याय ने कुछ सफल प्रकरणों का भी उल्लेख किया। जिनमें एनआईएफटीएम के हस्तक्षेप ने स्वयं–सहायता समूह के भीतर बेहतर समझ पैदा की जिससे वह और वैज्ञानिक पद्धतियां से बेहतर खादय प्रसंस्करण कर सके। संस्थागत सहायता समूह ने भी इन समूहों की मदद की ताकि वह गुणवत्ता तथा सुरक्षा मापदंड के अनुसार उत्पादन कर सके। जिससे कई तरह की खाद्य प्रसंस्करण की प्रौद्योगिकियों उपलब्ध है जिससे बेहतर संपुष्टि के द्वारा फलों और सब्जियों का बेहतर इस्तेमाल संभव हो सकता है।

उन्होंने इस बात का भी विस्तृत विवरण दिया कि किस प्रकार और खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने कोशिश की है जैसे प्रधानमंत्री छोटी खाद्य प्रसंसकरण उद्योगों का और परिकरण। इसका उद्देश्य है वित्त तकनीकी तथा अन्य आवश्यक सहायता के माध्यम से छोटे उद्यमों का उन्नयन किया जा सके। यह योजना 2020 में शुरु की गई थी।

दक्षिण एशिया में कृषि और खाद्य प्रणालियों का प्रदर्शन

कोविड–19 महामारी गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभाव ने खाद्य प्रणालियों को बाधित कर दिया। साथ ही साथ इस संकट ने आजीविका कमाने की परेशानी को भी बढ़ा दिया। महामारी प्रतिक्रियाओं ने भी प्रदर्शित किया है कि अच्छी तरह से तैयार की गई नीतियों की शक्ति से बड़े से बड़े झटकों के प्रभाव को भी कम किया जा सकता है जिसमें सशक्त तथा लचीली खादय प्रणाली शामिल है। इन सबकी चर्चा खाद्य नीति रिपोर्ट 2021 में विस्तार से की गई है। इस पर विचार विमर्श के लिए अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान, दक्षिण एशिया, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और आर आई एस ने 8 जुलाई 2021 को एक बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शामिल विशिष्ट वक्ता थेः– डॉ बिनायक सेन, डॉ दुशनी वीराकून, डॉ जोहन स्वीनेन, डॉ त्रिलोचन मोहापात्रा, डॉ पी. के. आनन्द, डॉ स्वर्निम वागले एव डॉ शाहीदुर राशिद, निदेशक, इफपरि, दक्षिण एशिया।

डॉ बिनायक सेन

डॉ दुशनी वीराकून

डॉ जोहन स्वीनेन

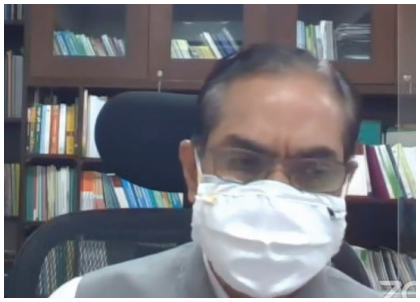

डॉ त्रिलोचन मोहापात्रा

डॉ पी. के. आनन्द

डॉ स्वर्निम वागले

अंकीय अनुक्रम सूचनाः मुद्दे और निहितार्थ

आर आई एस ने 'अंकीय अनुक्रम सूचनाः मुद्दे और निहितार्थ' पर 31 अगस्त 2021 को वैबिनार का आयोजन किया। आचार्य सचिन चतुर्वेदी महानिदेशक आर आई एस ने आरम्भिक टिप्पणियां की। श्री सी अचलेदर रेडी, भारतीय विदेश सेवा, (सेवानिवृत्त), निदेशक, भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया और अध्यक्ष, एनबीए अंकीय सूचना अनुक्रम समिति सूचना डीएसआई ने मुख्य वक्तव्य दिया।

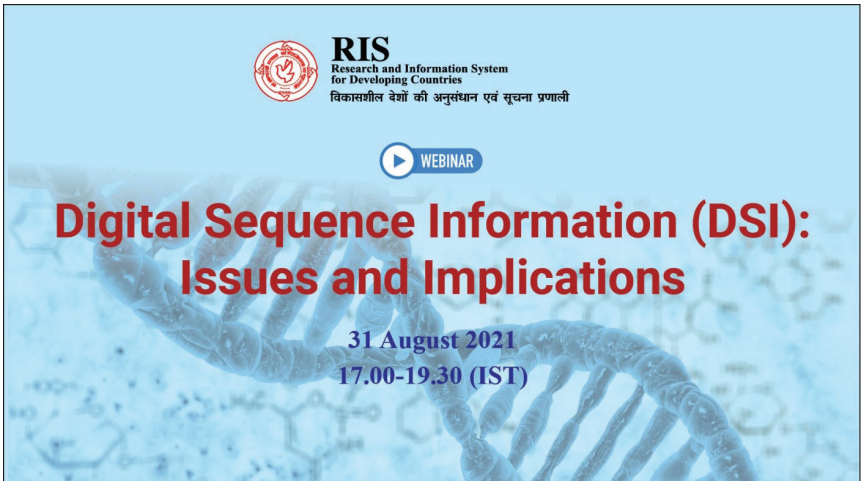

पहले सत्र मे अंतरराष्ट्रीय विकास और रुझान पर डॉक्टर सिल्वन आबीरी की अध्यक्षता में संघीय वैज्ञानिक सलाहकार, कृषि कार्यालय जूरिख प्रतिष्ठित सहभागी थे, श्री पेरोन वेल्स, रिसर्च स्कॉलर ग्रेसियस सेंटर अंतरराष्ट्रीय कानून अध्ययन के लिए लिडेन विश्वविद्यालय डॉक्टर लोटे असवेल्ड सहायक प्रोफेसर जैव प्रौद्योगिकी विभाग डेलफ्ट विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी , डॉक्टर एमबर हॉटमैन सकॉलेज एबीएस टीम लाइबानिज संस्थान जर्मन का संग्रह सूक्ष्मजीव और कोशिका संवर्धन डॉक्टर विवियाना मूनोज, समन्वयक स्वास्थ्य और बौद्धिक संपदा की जवै विविधता कार्यक्रम दक्षिणी क्षेत्र जिनोवा। सत्र दो बीएसआई और जैव विविधता विषय पर था। भारत के लिए निहितार्थ इसकी अध्यक्षता प्रोफेसर एम के रमेश नेशनल लॉ स्कूल ऑफ भारत विश्वविद्यालय बैंगलोर ने की थी।

सम्मिलित सहभागी थे डॉ शिवेंद्र बजाज कार्यकारी निदेशक फेडरेशन भारत के लिए और बीज उद्योग एवं एलाइंस फॉर एग्री इन्नोवेशन, डॉ विश्वास चौहान कंसलटेंट जैव सूचना विज्ञान पुणे, सुश्री शालिनी भूटानी कानून और निधि विशेषक, नई दिल्ली और सुश्री श्यामा कोरियाकोश कानूनी प्रमुख वन्य जीव संरक्षण भारत, डॉक्टर नम्रता पाठक अनुसंधान सहयोगी, आरआईएस, एवं चर्चा करने वाला समापन टिप्पणी डॉक्टर कृष्णा ने और डॉ रवि श्रीनिवास सलाहकार आर आई एस में धन्यवाद टिप्पणी प्रस्तुत की।

यूरोपीय क्षितिज

आर आई एस और भारतीय विज्ञान मंच ने संयुक्त रूप से यह यूरोपीय क्षितिज पर एक वेबीनार 23 अगस्त 2021 को आयोजन किया गया। कार्यक्रम का केन्द्र था विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग। प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, आर आई एस ने स्वागत भाषण और आरम्भिक टिप्पणियां दी। सुश्री निएनके बुईसमन, प्रमुख, अनुसंधान और नवप्रवर्तन, यूरोपीय आयोग, डॉ अरविंद मिश्रा, वैज्ञानिक सचिव, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार और श्री संदीप चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, यूरोप पश्चिम, विदेश मंत्रालय ने परिचर्चात्मक टिप्पणी की। डॉ भास्कर बालकृष्ण, विज्ञान राजनेय, आर आई एस ने सत्र की अध्यक्षता की। मुख्य सहभागी थेः– सुश्री तानिया फेडरिक, ईयू रिसर्च एंड इन्नोवेशन (आरएनआई) काउंसलर; डॉ एस. के. वार्ष्णेय, प्रमुख ,अंतरराष्ट्रीय सहयोग

प्रभाग, विज्ञान और तकनीक विभाग; डॉ रीता ढोडापकर, प्रमुख तकनीकी अधिकारी, विज्ञान सचिव, बीआरसी, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियंत्रिकी संस्थान; डॉक्टर जैकब विलियम्स ओवर्ग काउंसलर, नवप्रवर्तन रिसर्च और उच्च शिक्षा, रॉयल डेनिस दूतावास; डॉ मधुसूदन रेडी नंदिनी, काउंसलर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारतीय दूतावास, बर्लिन, और डॉक्टर के रवि श्रीनिवास, सलाहकार, आरआईएस। डॉक्टर भास्कर बालकृष्णन ने समापन टिप्पणी भी दी।

आसियान भारत विकास भागीदारी कार्यक्रमः ऑनलाइन परीक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

विदेश मंत्रालय द्वारा समर्थित आसियान भारत विकास भागीदारी कार्यक्रम (एआईडीपीपी) का आयोजन आर आई एस, भारत आसियान केंद्र, संगम और युसूफ इस्साक संस्थान, सिंगापुर ने 16 से 20 अगस्त 2021 को किया। कार्यक्रम में भू–राजनीती, आर्थिक सम्बन्ध, व्यापार तथा निवेश, व्यापार सरलीकरण, आसियान–भारत सम्बन्धों में प्राथमिक क्षेत्र इत्यादि पर चर्चा हुई। नीति, शिक्षण, विधि और उद्योगिक क्षेत्र से विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान भी दिये।

अन्य मंचों पर नीतिगत संवाद

प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी
महानिदेशक

- पुस्तक 'वैश्विक विकास–सहयोग की उत्पति, विकास एवं भविष्य' पर परिचर्चा में भाग लिया जिसका आयोजन जर्मन विकास संस्था ने 29 सितंबर 2021 को किया।
- भारत और आसियान को द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय व्यापार संबंधों पर परिचर्चा में भाग लिया जिसका ऑनलाइन आयोजन आसियान के आर्थिक अनुसंधान सन्साधन ने 21 सितंबर 2021 को किया।
- दक्षिण सहयोग में कार्यप्रणाली में विविधता के प्रभाव का निर्धारणः दक्षता के परिपेक्ष्य में संश्लेषण विषय पर प्रस्तुती 13 सितम्बर को यूएनओएसएससी और यूएनडीपी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दी।
- इस्लामिक विकास बैंक द्वारा आयोजित परिचर्चा 'अनिश्चित समय में विकास सहयोग को सशक्त करना' में 9 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- नए और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टार्टअपस पर ऑनलाइन आयोजित परिचर्चा में 9 सितंबर 2021 को भाग लिया जिसका आयोजन आईसीएसएसआर ने किया।
- कोविड–19 और उसके बाद की स्थिति से निपटना विषय पर प्रस्तुति स्वामी विवेकानन्द संस्कृतिक केन्द्र, सीओल, दक्षिण कोरिया द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में 2 सितंबर 2021 को दी।
- सीआईआई द्वारा आयोजित अफ्रीका समिति की ऑनलाइन बैठक में 1 सितंबर 2021 के भाग लिया।
- सतत विकास लक्ष्य और विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवम नवप्रवर्तन पर प्रस्तुति 23 अगस्त 2021 को पंचायती राज मंत्रालय, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबनार मे की।
- ब्रिक्स सहयोग के भविष्य पर विकास नीति केन्द्र द्वारा ऑनलाइन आयोजित बातचीत में 11 अगस्त 2021 को भाग लिया।
- भारत और दक्षिण कोरिया के संदर्भ में आर्थिक कूटनीति पर सत्र की अध्यक्षता की जिसका आयोजन 11 अगस्त 2021 को भारत प्रतिष्ठान और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, सियोल ने संयुक्त रूप से की।
- आईएलओ द्वारा वेबीनार में अनौपचारिकता तथा नेटवर्कस की शक्ति विषय पर प्रस्तुति 10 अगस्त 2021 को की।
- दक्षिणीय सहयोग और समावेशी विकास रोजगार और उद्यमिता पर प्रस्तुति आईएलओ द्वारा आयोजित वबीनार में 10 अगस्त 2021 को की।
- भारत इडोनेशिया और इटली (3 आईस) के जी–20 प्रतिनिधियों के साथ परिचर्चा में भाग लिया जिसका ऑनलाइन आयोजन ओईसीडी ने 9 अगस्त 2021 को किया।
- सीआईआई, विदेश मंत्रालय तथा वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 16वीं सीआईआई–एक्सिम बैंक सभा में भारत–अफ्रीका द्विपक्षीय व्यापार का एएफसीटीए के साथ जोड़ने के विषय पर प्रस्तुति 13 जुलाई 2021 को की।
- कल्याणकारी राज्य नीतियों और शासन विषय पर मुख्य भाषण जागरण लेकसिटि विश्वविद्यालय और कोनराड अडीनार स्टिपटंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ऑनलाईन अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन में 12 जुलाई 2021 को दिया।
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन में भागीदार सतत विकास के लक्ष्यों के प्राप्ति के लिए विषय पर उच्चस्तरीय संवाद में भाग लिया जिसका ऑनलाईन आयोजन घाना के संयुक्त राष्ट्र संघ में स्थाई मिशन, जापान, यूएनडीसा, ईसी/जेआरसी, युनेस्को तथा यूएनईसीए न 9 जुलाई 2021 को किया।
- वैश्वीकरण की नई व्यवस्था का सामना करने विषय पर प्रस्तुत लेस रीकोनट्रस एकोलामिकी असडी एक्स–एन–प्रोवनस द्वारा आयोजित इकसवें कार्यक्रम में 4 जुलाई 2021 को की।

प्रोफेसर एस.के. मोहंती

- समुद्री आकीशय योजना तथा समुद्र अर्थव्यवस्थाः सागर साधनों का सतत उपयोग पर एक टिप्पणी समुद्री आकीशय योजना तथा क्षेत्रीय सहयोग पर वेबीनार में की जिसका आयोजन सोसाइटी फॉर इंडियन औशियन स्टडीस ने 3 सितम्बर 2021 को की।
- विदेश मंत्रालय में आजादी के अमृत महोत्सव पर हुई परिचर्चा में भाग लिया जिसका आयोजन 26 अगस्त 2021 को नई दिल्ली में किया गया।
- आयुष मंत्रालय में आयोजित भारत में आयुष क्षेत्र का भविष्य और चुनौतियों पर हुई चर्चा में टीम प्रमुख होने के नाते 9 जुलाई 2021 को भाग लिया।
- आईओआरए क्षेत्रीय समुद्री व्यापार में सम्भावनाओं का अनुमुक्त करना तथा क्षेत्रीय समुद्र व्यापार में अझेदित संभावना पर दृश्यदूर संलाप में 8 जुलाई 2021 को भाग लिया।

श्री राजीव खेर
विशिष्ट फेलो

- भारत की परिकल्पनाः भारत को हरित सीमा में ले जाना पर जार्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वबीनार में 29 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- आईसीएआई रजिस्टर्ड वैल्यूअर्स के शासी मंडल की बैठक में 20 और 28 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- एयरटेल बैंक की 4 अगस्त 2021 और 27 सितंबर 2021 को हुई बैठकों में स्वतंत्र निदेशक की हैसियत से भाग लिया।
- 23 और 24 सितंबर 2021 को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता विधि सम्मेलन का आयोजन एसोसिएट चेंबर द्वारा वाणिज्य और उद्योग के सम्मेलन में भाग लिया।
- भारत–यूके की 2030 योजनाः प्रतिस्पर्धा व्यकता, संवृद्धि, सत्तता और प्रैद्योगिकी पर सीआईआई द्वारा आयोजित सम्मेलन में 17 सितंबर 2021 को भाग लिया।

- शुद्ध शून्य पर पहुँचनाः भारत के लिए सीओपी 26 उपमार्ग विषय पर सीएससीपी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 16 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- प्रोद्योगिकियों द्वारा साझेदारी को प्रभावित करना विषय पर सीआईआई द्वारा आयोजित सम्मेलन में 14 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- भारतीय लोक वित्त प्रणालीः राजकोषीय शासन विषय पर सीएसईपी और विश्व बैंक द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 13 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- जनसाधारण, ग्रह, समृद्धीः विशिष्टतक से पुर्ननिर्माण विषय पर आईसीआरआईईआर–केएस कोविड–19 वबेनार श्रंखला में 13 सितंबर 2021 को भाग लिया।
- किरलोस्कर ब्रदर्स लिमिटिड द्वारा आयोजित बैठक में स्वतंत्र निदेशक की हैसियत से 9 सितम्बर 2021 को भाग लिया।
- ग्रीन हाउस रसाव को निर्माण क्षेत्र में जलवायु बदलाव में बदलाव से निपटने के लिए कम करना विषय पर सीआईआई द्वारा आयोजित तीसरी भारत–अमेरिका टाउन–हाल में 8 सितंबर का भाग लिया।
- इंडो–पेसिफिक महासागर पहल विषय आईसीडब्लूए द्वारा आयोजित परामर्श में 3 सितम्बर 2021 को भाग लिया।
- भारतीय लेखाकारों के संस्थान अनुशासन सीमित–पीट–II को बैठक में 27 जुलाई, 17, 31 अगस्त और 2, 15, 30 सितम्बर 2021 को भाग लिया।
- आईबीसी के पाँच वर्ष और आगे का मार्ग विषय पर सीआईआई द्वारा आयोजित सम्मेलन में 27 अगस्त को भाग लिया।
- भारत की जलवायु कूटनीति विषय में फिक्की संसद मंच तथा कोनार्ड–अडानार–स्टिफटंग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 24 अगस्त 2021 को भाग लिया।
- भारत@75: सरकार और व्यापार साथ मिलकर आत्मनिर्भर के लिए कार्य करना विषय पर सीआईआई की वार्षिक बैठक 2021 में 11–12 अगस्त को भाग लिया।
- भारत की डीकारबनाईजेशन की कार्यनीति विषय पर सीएसईपी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 6 अगस्त 2021 को भाग लिया।
- डब्लूटीओ सुधार और भारत के उद्योग पर इसका प्रभाव विषय पर आयोजित बैठक में विशिष्ट वक्ता की हैसियत से भाग लिया।
- सत्तत कृषि मानचित्रण प्रसंस्करपित खादयानों के लिए अवसर और चुनौतिया विषय पर आयोजित वबीनार में 28 जुलाई 2021 को भाग लिया।
- गहरे व्यापार समझौता का अर्थशास्त्र पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। जिसका आयोजन विश्व बैंक ने 19 जुलाई 2021 को किया।
- भारत–अफ्रीका परियोजना साझेदारी विषय पर सीआईआई–एगजिम बैंक की 16वीं सभा में 13–15 जुलाई 2021 को भाग लिया।
- गुडईअर इंडिया लिमिटेड द्वारा बैठक में 13 जुलाई को स्वतंत्र निदेशक की हैसियत से 13 जुलाई 2021 को भाग लिया।
- विदेश मंत्रालय तथा सीआईआई द्वारा इन्डो–पेसिफिक व्यापार शिखर–सम्मेलन पर आयोजित वबीनार में 6–8 जुलाई को भाग लिया।

प्रोफेसर टी. सी. जेम्स
विजिटिंग फेलो

- केरल राज्य जैव विविधता मंडल द्वारा आयोजित सम्मेलन में व्यापार और विकास लक्ष्य और आयुष उद्योग के लिए नीतियों पर विशेष भाषण दिया तथा सत्र की अध्यक्षता 27 सितम्बर 2021 को की।
- आधुनिक विश्व में बौद्धिक अधिकार और कापीराईट विषय पर वार्ता 24 सितम्बर 2021 को दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय में प्रस्तुत की।
- प्रकाशन आचार नीतिः साहित्यिक चोरी और कापीराईट विषय पर वार्ता देवा माथा महा विद्यालय कुराविला गडू में 21 सितम्बर 2021 को प्रस्तुत की।

डॉ. पी.के. आनंद
विजिटिंग फेलो

- टी–20 की संगोष्टियों/कार्यशालाओं में भाग लिया, जिसका आयोजन टी–20 इटली चैयर ने जुलाई–सितम्बर 2021 में किया।
- कोविड–19 के बाद एमएसएमईएस की सतत संवृद्धी पुनः प्रदीप्त करना विषय संगोष्टी में भाग लिया जिसका आयोजन आईएसआईडी–आईसीएस एसआर ने 30 जुलाई 2021 को किया।
- आसियान–इंडिया की विकास में भागेदारी पर प्रस्तुती 20 अगस्त 2021 को की।
- सत्तत विकास लक्ष्य का स्थानीयकरण तथा पंचायतों की भूमिका विषय पर वेबीनार में भाग लिया जिसका आयोजन पंचायती राज मंत्रालय ने 23 अगस्त 2021 को किया।

डॉ. प्रियदर्शी दाश
एसोसिएट प्रोफेसर

- डिजीटल भुगतानों पर संवादः विकासशील देशों के अनुभव विषय पर परिचर्चा का संचालन किया जिसका आयोजन वैश्विक विकास केन्द्र ने 22 जुलाई 2021 को किया।
- डिजीटल युग में सेवा व्यापार विषय पर एक प्रस्तुती ऑनलाइन संवाद में की जिसका आयोजन नीति संवाद केन्द्र, ढाका और फ्रेडरिच एबर्ट स्टिफटंग ने 19 जुलाई 2021 को की।

रिपोर्ट

ब्रिक्स सिविल फोरम 2021 परिणाम दस्तावेज, *आरआईएस, नई दिल्ली*

भारत में घटती बचत दर नया निधि विकल्प, *आरआईएस और आईआईसी, नई दिल्ली 2021*

यूएन@75 और एसएससी विकासशील भूमिका और जिम्मेदारियां,*आरआईएसबीआई और जर्मन विकास संस्थान 2021*

डिजिटल भुगतान संवाद अनुभव विकासशील देशों के बीच, *जीडीसी, नई दिल्ली 2021*

ब्रिक्स का भविष्य, *आरआईएस और ओआरएफ, नई दिल्ली 2021*

ब्रिक्स अकादमिक फॉर्म के लिए राह, *आरआईएस एवं ओआरएफ, नई दिल्ली 2021*

सक्रिय फार्मास्यूटिकल का निरीक्षण भारत से सामग्री उपलब्धियां और चुनौतियां, *आर आई एस, नई दिल्ली 2021*

आरआईएस के परिचर्चा पत्र

#270: कोविड–19 एक अवसर फार्माकोविजिलेंस में सुधार सचया पाठक द्वारा प्रणाली राजेश्वरी सिंह और शुभिनी ए सराफ

#269: सिक्लिंग का आधार सक्रिय बहुआयामी द्वारा प्रमोद कुमार आनंद और कृष्ण कुमार

#268: भारत की आयात निर्भरता औषधीय में चीन पर मुद्दे और नीति द्वारा अमित कुमार

#267: भारतीय कृषि को बाजार मुक्त करना द्वारा दमु रवि

आरआईएस का नीतिगत सार

#105 भारत इबीआरडी साझेदारी वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता द्वारा डॉ प्रसन्ना सालीआन और श्री सुभासीस धल

एशियन बायोटेक्नोलोजी डेवलपमेंट रिव्यू

वॉल्यूम 23 नंबर 2 जुलाई 2021

जी20 डाइजेस्ट

वॉल्यूम 1 नंबर 3 अक्टूबर 2021

एआईसी प्रकाशन

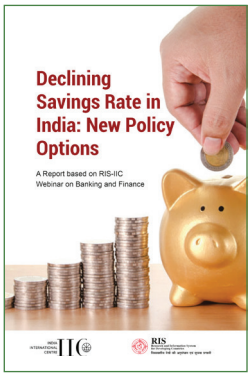

- जर्नल ऑफ एशियन इकनोमिक एकीकरण, वॉल्यूम 3 नंबर 2 सितंबर 2021
- भारत में साझेदारी को आगे बढ़ाना प्रशांत, आसियान भारत केंद्र अनुसंधान सूचना प्रणाली, नई दिल्ली, सितंबर 2021
- भारत की विकास भागीदारी आईएमटी–जीटी के साथ की पहचान करना और क्षेत्रीय सहयोग रूपरेखा प्रबीर डे, श्रेया पान और निदा रहमान एआईसी वर्किंग पेपर 7, नई दिल्ली, अगस्त 2021
- पोसट कोविड–19 के उभरते मूल्य श्रंखला अवसर और भारत आसियान संबंध रूपा चंद्रा चंदा एआईसी वर्किंग पेपर 6 नई दिल्ली जुलाई 2021

एआईसी कमेंट्री सीरीज

इंडो–पेसिफिक समुद्री परिवहन सहयोग मजबूत करने का एजेंडा एआईसीसी कमेंट्री नंबर 21, सितंबर 2021 प्रदीप डे द्वारा

इंडो–पेसिफिक प्रदेश के लिए ओशनस इनीशिएटिंग संस्थागत ढांचा प्रदान करना एआईसीसी कमेंट्री नंबर 20, अगस्त 2021 राहुल मिश्रा के द्वारा

पारंपरिक औषधीय की भूमिका भारत आसियान को बढ़ाने में प्रणाली घटक द्वारा साझेदारी के आईसी कमेंट्री नंबर 19, जुलाई 2021

आरआईएस संकाय द्वारा बाह्य प्रकाशनों में योगदान

सचिन चतुर्वेदी 2021 को उभर्ती आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिति और दायरे पर भारतीय रणनीति क्षेत्रीय सहयोग के लिए यूएन एससीएपी एसएस डब्ल्यू ए डेवलपमेंट पेपर 01 मार्च।

सचिन चतुर्वेदी पर साक्षात्कार ईज ऑफ लिविंग डीडी न्यूज 28 सितंबर 2021 को पोस्ट किया गया। पीआईबी, नई दिल्ली।

प्रबीर डे और सुनेत्रा घटक द्वारा आय कन्वर्जन एशियाई अर्थव्यवस्था एक अनुभवजन्य एक्सप्लोरेशन जनरल ऑफ इंडिया पेसिफिक व्यापार खंड 22 नंबर 3 2021।

प्रबीर डे और दुरैराज कुमारस्वामी द्वारा कोविड–19 और परिवर्तन भारत आसियान आर्थिक रूप रेखा संबंध आईएमआई कनक कनेक्ट वॉल्यूम 10 क्रम 3 2021।

प्रबीर डे द्वारा क्षेत्रीय एकता बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में कोविड–19 अवधि और आगे का रास्ता पर विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन, नई दिल्ली 2021।

प्रबीर डे साइलेंट रेगुलेशन इन सीमा व्यापार और हिंदू व्यापार रेखा। सितंबर 2021।

RIS
Research and Information System for Developing Countries
विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली

कोर IV-B, चौथी मंजिल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली–110 003, भारत। दूरभाष 91–11–24682177–80
फैक्सः 91–11–24682173–74, ईमेलः dgoffice@ris.org.in
वेबसाइटः www.ris.org.in

हमें यहां फॉलो करें:

www.facebook.com/risindia @RIS_NewDelhi www.youtube.com/RISNewDelhi